अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

अवसाद से प्रसाद की ओर: साहित्य, संगीत, कला एवं विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में

IQAC सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय ब्यावर,
श्री बृजमोहनलाल शर्मा राज. कन्या महाविद्यालय ब्यावर एवं विज्ञान भारती, दिल्ली
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

दिनांक 02 मार्च 2024 (फाल्गुन कृष्ण 7, विक्रम संवत 2080)

आयोजन स्थल : महर्षि भरत मुनि मुक्ताकाश मंच, संगीत विभाग, स. ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर

Registration Link– https://forms.gle/QkfAhyRixg5i8mXE8

Mode of conference – Hybrid

संगोष्ठी के विषय में (तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु)

अवसाद से प्रसाद की ओर : साहित्य, संगीत, कला एवं विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में

इस युग की सबसे बड़ी त्रासदी है कि अनन्त भौतिक उपलब्धियों के पश्चात् भी मनुष्य प्रसन्न नहीं है, शान्त नहीं है। इन्टरनेट के माध्यम से एक कोने में बैठकर दुनिया के किसी भी कोने से सरलता से मनुष्य जुड़ सकता है, परन्तु मनुष्य का अकेलापन कहीं अधिक बढ़ गया है, उसके अधरों की मुस्कान, नेत्रों की चमक, मुखमण्डल का तेज न जाने कहाँ खो गया है। क्या कोई प्रकाश किरण शेष है?

हाँ, वह है भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा जहाँ सभी के रोगरहित होने की कामना की गई है –"सर्वे सन्तु निरामयाः"।

युद्ध क्षेत्र में अर्जुन अपने सगे सम्बन्धियों को देख विषण्ण हो जाता है। अवसाद में डूबे अर्जुन को गीता का निष्काम कर्म, योग तथा आत्मा की अमरता का संदेश "प्रसाद" की सकारात्मक भावभूमि पर पहुँचा देता है। भारतीय ऋषि मुनियों ने मानव के मन की मूलभूत प्रवृत्तियों का अध्ययन करके यही पाया कि हमारे संकल्पों, हमारे विचारों का स्वभाव ही हमें अवसाद या प्रसाद की ओर ले जाता है। वैदिक साहित्य में मंत्रशक्ति के सांगीतिक अनुसरण द्वारा प्राप्त प्रभावों की विशद व्याख्या है। सामवेद तो पूर्णतया संगीतमय रचना है – "वेदानां सामवेदोऽस्मि" - भगवद्गीता। संगीत सुनने से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है साथ ही स्ट्रेस हार्मोन का स्राव कम हो जाता है जिससे दिमाग और शरीर दोनों की कमज़ोरी दूर होती है। संगीत के स्वर हमारी पाशविक वृत्तियों का दमन कर हमारे भीतर आध्यात्मिक एवं सात्त्विक विचारों का संचार करते हैं।

मानवीय अनुभूत भावों की सौन्दर्यपूर्ण अभिव्यक्ति जो सुखप्रदात्री है वह कला है। भारतीय कला परम्परा में "सत्यं शिवं सुन्दरम्" जीवन दर्शन की मूल दार्शनिक अवधारणा रही है, जहाँ सौन्दर्य सदैव सत्य का अनुगामी और शिवत्व को धारित किये है। साहित्य, संगीत व कला जीवन की वो अविरल धाराएँ हैं जो चित्त को निर्मल कर अलौकिक आनन्द से परिपूर्ण कर देती हैं। यही भारतीय दर्शन का अन्तिम लक्ष्य है। भारतीय संस्कृति के इन त्रिविध जीवन मूल्यों - साहित्य, संगीत और कला का वैज्ञानिक आधार पर चिन्तन, मनन, विश्लेषण, विवेचन इस संगोष्ठी की आधुनिक सन्दर्भ में उपादेयता सिद्ध करेगा, साथ ही वर्तमान में अवसादग्रस्त मनुष्य को प्रसाद की ओर ले जाने की नई राह दिखायेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 भी भारतीय ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित है। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में भारतीय ज्ञान परम्परा को सम्मिलित किया गया है। विद्यार्थियों को इससे अवगत कराना शिक्षण संस्थानों, बुद्धिजीवियों का कर्त्तव्य है। इस कड़ी में संस्कृत, हिन्दी , संगीत विभाग, स.ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर, श्री बृजमोहन लाल शर्मा राजकीय कन्या महाविद्यालय, ब्यावर एवं "स्वदेशी साइन्स मूवमेंट ऑफ इंडिया" (विज्ञान भारती, दिल्ली) सतत प्रयत्नशील हैं।

संगोष्ठी के उपविषय

1. अवसाद और वैदिक मनोविज्ञान
2. अवसाद और शिवसंकल्प
3. अवसाद निस्तारण के ज्योतिषीय उपाय
4. भारतीय उत्सव एवं त्योहार द्वारा तनाव प्रबन्धन
5. विभिन्न धर्मों में धारणा, ध्यान द्वारा अवसाद प्रबन्धन
6. योग एवं यज्ञोपचार पद्धति द्वारा अवसाद प्रबन्धन
7. आयुर्वेद में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के उपाय
8. अवसाद और साहित्य
9. संगीत चिकित्सा द्वारा तनाव प्रबन्धन
10. अवसाद और विविध कलाएँ (चित्रकला, नृत्य आदि)
11. प्रकृति और खेलों द्वारा तनाव प्रबन्धन
12. भारतीय जीवन शैली एवं अवसाद प्रबन्धन
13. अवसाद एवं आधुनिक चिकित्सा
14. भारतीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परम्परा

उपर्युक्त तथा तत्संबद्ध विषयों पर शोधपत्र/पोस्टर हिन्दी व अंग्रेजी में आमन्त्रित किये जाते हैं |

पंजीकरण शुल्क

1. विद्यार्थी/शोधार्थी/ आधारभूत नवप्रवर्तक - 300/-
2. संकाय सदस्य - 500/-
3. विज्ञान भारती के आजीवन सदस्य – 400/-
4. तत्काल पंजीकरण (On the Spot) - 1000/-
5. विदेशी प्रतिभागी - 2000/-
6. विज्ञान भारती की आजीवन सदस्यता – 2000/-

- **विज्ञान भारती आजीवन सदस्यता के साथ संगोष्ठी हेतु पंजीयन कराने वालों को विशेष छूट (2 मार्च 2024 वैध) -**

7. विद्यार्थी/शोधार्थी/ आधारभूत नवप्रवर्तक - 1300/-
8. संकाय सदस्य - 1500/-

Bank Account Details

Account Holder: Swadeshi Science Movement of India
Account No. SB/10964472430
IFSC Code: SBIN0001282
Bank Name: SBI, East Patel Nagar, New Delhi – 110008

Registration Link

https://forms.gle/QkfAhyRixg5i8mXE8

***नोट -** बाहर से आने वाले शोधार्थियों/शिक्षाविदों को रहने की व्यवस्था स्वयं के स्तर पर करनी होगी।*

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

- **शोध सारांश : 20 फरवरी 2024** (शब्द सीमा 500, हिन्दी अथवा अंग्रेजी)
- **संपूर्ण शोधपत्र : 29 फरवरी 2024** (शब्द सीमा 3500, हिन्दी अथवा अंग्रेजी) हिन्दी: कृतिदेव 10, फॉन्ट साइज 16, अंग्रेजी में Times New Roman, Font Size 12, Email Id : nsdj2024@gmail.com
- चयनित संपूर्ण शोधपत्र विज्ञान भारती, दिल्ली की स्वदेशी विज्ञान पत्रिका ISSN No.- 2582-9440 में प्रकाशित किये जायेंगे।
- सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर शोधपत्र/अन्वेषण प्रस्तुति हेतु प्रथम, द्वितीय, तृतीय आर्यभट्ट सम्मान प्रदान किया जाएगा और पूर्व परम्परा के तहत आर्यभट्ट पुरस्कार/स्वदेशी विज्ञान पुरस्कार प्रदान करने का प्रावधान होगा जिसके लिए नामांकन आमंत्रित हैं।

राष्ट्रीय सलाहकार समिति

1. डॉ. विकास श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष- वि.भा., दिल्ली (सह आचार्य अभियांत्रिकी विभाग, प्रयागराज
2. प्रो. रश्मि शर्मा, उपाध्यक्ष, वि.भा. दिल्ली, आचार्य-रसा.शास्त्र,स.पृ.चौ.रा.म.वि. अजमेर
3. कलाविद् प्रो. राम जैसवाल, से.नि. विभागाध्यक्ष, दयानन्द महाविद्यालय, अजमेर
4. प्रो. शशि तिवारी, अध्यक्ष WAVES, दिल्ली
5. प्रो. एम. एल. शर्मा, से.नि. प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बांसवाडा,
6. प्रो. एल. सी. हेडा, से.नि. प्राचार्य, स.ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
7. प्रो. एस. एल. चौधरी , से.नि. सह आचार्य , स.ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
8. प्रो. आर. सी. लोढा, से.नि. प्राचार्य, स.ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
9. प्रो. बिन्दु तिवारी , से.नि. आचार्य इतिहास, स.ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
10. प्रो. नलिनी पारीक, से. नि. आचार्य अंग्रेज़ी, स. ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
11. प्रो. दीपाली लाल, से.नि. आचार्य, प्राणीशास्त्र स. ध. राज. महाविद्यालय, ब्यावर
12. प्रो. विनोद शर्मा, आचार्य (ज्योतिष) ज. रा. रा. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
13. प्रो. शालिनी सक्सेना, प्राचार्य, राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
14. प्रो. भारत भूषण, सह आचार्य संगीत, जी.एल.डी.एम. कॉलेज, जम्मू कश्मीर
15. प्रो. अनिल दाधीच, आचार्य एवं डीन, अंग्रेजी, स.पृ.चौ.राज. महाविद्यालय, अजमेर
16. डा. सनातन दीप, विभागाध्यक्ष महिला विश्वविद्यालय जमशेदपुर, झारखंड
17. प्रो. अनीता जैन, आचार्य एवं डीन संस्कृत, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली
18. प्रो.लालाशंकर गयावाल, आचार्य एवं डीन संस्कृत, रा.कन्या महाविद्यालय, भरतपुर
19. प्रो. चन्द्रप्रकाश पोखरना, प्राचार्य, राज. कन्या. महाविद्यालय, किशनगढ़
20. प्रो. शमा खान, प्राचार्य, राज. कन्या महाविद्यालय, पुष्कर
21. श्री मधुकर स्वयम्भू, सह संस्थापक, वैदिक सृजन, एल.एल.पी., दिल्ली
22. श्रीमती कल्पना भटनागर, सचिव, ऐक्य शिक्षण एवं जनकल्याण समिति, ब्यावर

औद्योगिक नगरी, ब्यावर

राजस्थान में औद्योगिक रूप में विख्यात ब्यावर, दिल्ली - अहमदाबाद रेलमार्ग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। यह ऐतिहासिक नगरी अजमेर से 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से राजस्थान ही नहीं वरन् देश की राजधानी तथा कई प्रान्तों के नगरों के लिये सीधी बस व रेल सेवाएं उपलब्ध हैं। हरे भरे सुरम्य परिसर में स्थित श्री सीमेण्ट - हनुमान मन्दिर यहाँ का दर्शनीय स्थल है।

स.ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर

स.ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर का शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है। 1904 में संस्कृत पाठशाला, 1926 में हाईस्कूल, 1929 में वाणिज्य इंटर कॉलेज से 1955 में राज्य सरकार के आदेशानुसार महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। वर्तमान में महाविद्यालय में कला संकाय में 10 विषय, वाणिज्य संकाय में 3 विषय, विज्ञान संकाय में 2 विषयों में स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन की सुविधा है। शोध, खेल सुविधाएं, वाई फाई परिसर, सह शैक्षणिक गतिविधियां, व्यावसायिक प्रशिक्षण गतिविधियां, डेलनेट की सुविधा युक्त पुस्तकालय इस महाविद्यालय की विशिष्टताएं हैं। हरे भरे रमणीय परिसर में स्थित संगीत विभाग प्राचीन गुरुकुल परम्परा को पुनर्जीवित करनें की दिशा में अग्रसर है जहां देश के विविध राज्यों से अध्ययन करने हेतु विद्यार्थी लालायित रहते हैं। इस महाविद्यालय का गौरव है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्था नैक (NAAC) द्वारा 'A' श्रेणी प्रदान की गयी है।

श्री बृजमोहनलाल शर्मा राजकीय कन्या महाविद्यालय, ब्यावर

ब्यावर के स्वतंत्रता सेनानी एवं राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहनलाल शर्मा की पुण्य स्मृति में राजकीय कन्या महाविद्यालय, ब्यावर का नामकरण दिनांक 5 मई 2023 को किया गया। स.ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर की ही 22 बीघा जमीन पर राजकीय कन्या महाविद्यालय, ब्यावर का भवन निर्माणाधीन है। वर्तमान में यह 2022 से स.ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर के रमणीय, हरे भरे परिसर में संचालित है। छात्राएं अपनी चारित्रिक दीप्ति व कर्मठता से अपने लक्ष्य को प्राप्त करें - महाविद्यालय प्रशासन इस दिशा में प्रयासरत है।

स्वदेशी साइन्स मूवमेंट ऑफ इंडिया, दिल्ली (SSMD)
(विज्ञान भारती, दिल्ली)

भारत की गौरवशाली संस्कृति, मूल्यों व ग्रन्थों में निहित ज्ञान-विज्ञान, भारत की समृद्ध भाषा परम्परा को आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास में हो रही नई पहलों के साथ जोड़ने को कटिबद्ध "स्वदेशी साइन्स मूवमेंट ऑफ इंडिया" के नाम से प्रसिद्ध विज्ञान भारती, 7 नवम्बर, 1982 से सतत प्रयत्नशील है। भारतीय स्वदेशी विज्ञान को सर्वजन तक पहुँचाने की दिशा में प्रो. के.आई. वासु एवं डॉ. डी.पी. भट्ट के निरन्तर प्रयासों में कई कार्यक्रम, संगोष्ठियां एवं प्रकाशन सम्मिलित हैं। विभा (स्वदेशी साइन्स मूवमेंट) वर्तमान में देश के 22 राज्यों में भावी पीढ़ी तक भारतीय प्राचीन विज्ञान को आधुनिक रीति से पहुँचाने का पुनीत कार्य कर रही है। विज्ञान भारती दिल्ली की स्वदेशी विज्ञान पत्रिका भारतीय ज्ञान और साहित्य को भारत की सभी भाषाओं में एवं राष्ट्र भाषा हिन्दी में जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है।

www.swadeshisciences.org

संरक्षक

प्रो. के. आई. वासु
डॉ देवेन्द्र प्रकाश भट्ट
विज्ञान भारती दिल्ली

अध्यक्ष

डॉ.सुशील कुमार बिस्सु
प्राचार्य
सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय ब्यावर

IQAC समन्वयक

डॉ मीनाक्षी सक्सेना
आचार्य, रसायन शास्त्र
सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय ब्यावर

संयोजक

डॉ.अनिता खुराना
प्राचार्य
श्री बृजमोहनलाल शर्मा राज. कन्या महाविद्यालय ब्यावर

आयोजन सचिव

डॉ. कामना सहाय
डॉ सुनीता अवस्थी
डॉ दुष्यन्त त्रिपाठी
सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय ब्यावर

आयोजन समिति

प्रो वी एस भाटी
प्रो रंगलाल सुवासिया
प्रो रेखा टोडरवाल
प्रो मंदरूप राम देवड़ा
प्रो हरीश गुजराती
डॉ पूजा देवंदा
प्रो. विजय नरवाल
डा. जसवीर सिंह
प्रो सोनराज मोसलपुरी
प्रो वीना सोनी
प्रो एम आर सिंगारिया
प्रो गिरीश सिंह
प्रो राजेंद्र काठेड़
प्रो. रामस्वरूप भांबी
डा. कमलेश रावत
प्रो. राम मनोहर शर्मा

तकनीकी समिति

डॉ उमेश दत्त
डॉ वीरेन्द्र मीणा
डॉ आशुतोष पारीक
डॉ हरभान सिंह
भावना सोनी
मयंक शर्मा
डॉ संदीप देवल
डॉ. सहदेव गुर्जर
डॉ अनूप आत्रेय
श्री रोशन अग्रवाल
निकिता भारती
निश्चय कच्छावा

(सारस्वत वक्ता)
डॉ. विनोद शास्त्री
पूर्व कुलपति, ज.रा.रा. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग,राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
विषय - साहित्य एवं ज्योतिष द्वारा तनाव प्रबन्धन

डॉ. राजेश केलकर
पूर्व डीन, विभागाध्यक्ष संगीत विभाग एम.एस.विश्वविद्यालय, बड़ौदा
विषय - संगीत योग के माध्यम से तनाव प्रबन्धन

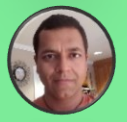

डा. विवेक तिवारी
Senior Director (Engineer & Technologist Intel Corporation, San Francisco, Bay Area, Brider & Bird Photographer, California, USA
विषय - प्रकृति के माध्यम से अवसाद प्रबन्धन

डॉ. अर्चना
(सेवानिवृत्त, विभागाध्यक्ष - चित्रकला)
राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर
विषय -"महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोरके ग्रंथों में साहित्य, संगीत, कला"

डॉ. नारायण लाल गुप्ता
प्रो. भौतिक शास्त्र, आर.के. पाटनी राजकीय महाविद्यालय, किशनगढ़
विषय - नई शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परम्परा